


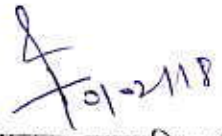

# न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची)

आदेश पत्रक



प्रफूल यादव

बनाम

रजपा कालिन्दी वगैरह

क्र०/तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	की गई कार्रवाई
	<p>अभिलेख सं०-एम.....06.../2018 धारा-107 द0प्र0सं० थाना प्रभारी सीनाहालु... के अप्राथमिकी सं०-02/18 दिनांक-02.02.18 प्रस्तुत पुलिस प्रतिवेदन/आवेदन से सूचना मिली है कि मारपीट एवं छेड़खानी की लैकड विवाद समय पक्ष में तनाव है।</p> <p>जिससे संभावना है कि परिशांति भंग होगी या लोक परिशांति क्षुब्ध होगी या उभय पक्ष/विपक्षी कोई ऐसा असंतोषकारी कार्य करेंगे जिससे परिशांति भंग हो जाएगी या लोक परिशांति क्षुब्ध हो जाएगी।</p> <p>अतः मैं पायल राज, कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची) उक्त पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध द0प्र0सं० की धारा-107 के अन्तर्गत कार्यवाही आरंभ करती हूँ। उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध सूचना निर्गत करें कि वे कारण दर्शित करें कि उन्हें एक वर्ष तक परिशांति कायम रखने के लिए उससे/उनसे प्रत्येक को 1000(एक हजार) रू० का बन्ध पत्र उसी राशि के दो जमानतदारों के साथ राशि दाखिल करने हेतु आदेश क्यों नहीं दिया जाय।</p> <p>अभिलेख तिथि 23-02-18 को उपस्थापित करें। लेखापित एवं संश्लेषित</p> <p> कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू।</p> <p> कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू।</p> <p>अभिलेख उपस्थापित   उभय पक्ष ऊपस्थित द्वितीय पक्ष उपस्थित   दिनांक 12-03-18 की हूँ।</p> <p> 23/2/18</p>	

23-02-18

तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर
24-09-18	<p>अभिलेख उपस्थापित   समय पत्र अधिवक्ता दायरी   समय पत्र अगली तिथि का जवाब दायित्व को दिनांक 12-10-18 को रखें।</p> <p style="text-align: right;"> 24/9/18</p>
12-10-18	<p>अभिलेख उपस्थापित   समय पत्र उपस्थापित दिनांक पत्र अधिवक्ता दायरी   समय पत्र अगली तिथि का जवाब दायित्व को दिनांक 29-10-18 को रखें।</p> <p style="text-align: right;"> 12/10/18</p>
29-10-18	<p>अभिलेख उपस्थापित   समय पत्र उपस्थापित   समय पत्र की ओर से न्यायालय में एक समुक्त मुलाहनामा आवेदन देकर निवेदन किया गया है कि समय पत्र अपने अग्रिमचिन्तकों एवं दोस्तों के माध्यम से न्यायालय के बाहर समझौता कर लिए हैं। समय</p>

तिथि

आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर

पत्र एक ही बात के निवासी है। समय  
 पत्र में अब किसी तरह का कोई विवाद  
 नहीं है तथा शान्ति गंग क्षेत्र की समाप्ति  
 नहीं है। समय पत्र क्षेत्र को अभी बंद नहीं  
 नहीं रहता है। उपरोक्त बातों के आधार  
 पर उक्त सुलहनामा के आवेदन को स्वीकार  
 करते हुए वाद को समाप्त किया जाए।

समय पत्र के द्वारा दिख जाए

समय सुलहनामा आवेदन को स्वीकार  
 किया जाता है तथा वाद में अगिलेखा  
 की काताई बन्द की जाती है।

लेखापित एवं शैक्षीय



कार्यपालक दण्डाधिकारी  
 बुध (रांची)



कार्यपालक, दण्डाधिकारी  
 बुध (रांची)